Page No.: 01 Date: 16/04/20

Relation between Prejudice and Discrimination (पूर्वाग्रह और विभेद में सम्बन्ध) :-

पूर्वाग्रह और विभेद दोनों में एक-दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। इनके सम्बन्ध को स्पष्ट करते हुए फेल्डमैन ने लिखा है कि, "पूर्वाग्रह की व्यवहारात्मक अभिवृत्ति को विभेद कहते हैं। एक समूह विशेष की सदस्यता के कारण उस समूह के सदस्यों के साथ विभेद में धनात्मक या ऋणात्मक ढंग से व्यवहार किया जाता है।"

फेल्डमैन के उपरोक्त कथन से स्पष्ट हो जाता है कि विभेद पूर्वाग्रह का ही एक भाग या अवयव है जो पूर्वाग्रह के व्यवहारात्मक पक्ष या अभिव्यक्ति से सम्बन्धित है। विभेद का स्वरूप धनात्मक और ऋणात्मक किसी भी प्रकार का हो सकता है। जब तक पूर्वाग्रह नहीं होगा तब तक विभेद सम्बन्धित व्यवहार व्यक्ति नहीं करेगा। पूर्वाग्रह की तीव्रता जब कम होती है तब व्यक्ति कुछ भी विभेद सम्बन्धित व्यवहार नहीं करता है। अतः कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह की उपस्थिति में अथवा तीव्र पूर्वाग्रह की उपस्थिति में व्यक्ति विभेद सम्बन्धित व्यवहार की अभिव्यक्ति अवश्य करता है।

पूर्वाग्रह और विभेद दोनों एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित हैं। विभेद पूर्वाग्रह का एक छोटा भाग है। विभेद पूर्वाग्रह

Scanned with CamScanner

के केवल व्यवहारात्मक पक्ष या आचरण से सम्बन्धित है। विभेद की अभिव्यक्ति पूर्वाग्रह के कारण ही होती है। विभेद की अभिव्यक्ति पूर्वाग्रह के कारण निश्चित रूप से उस समय होती है जब पूर्वाग्रह की तीव्रता अधिक होती है।

Characteristics of Prejudice
(पूर्वाग्रह की विशेषताएँ) :-

1. पूर्वाग्रह सीखे जाते है (Prejudice are learned) :-

समाज मनोवैज्ञानिकों ने पूर्वाग्रह का वर्णन सीखे हुए व्यवहार के रूप में किया है। पूर्वाग्रहों का विकास क्रमशः होता है, यह जन्म के समय विद्यमान नही होते है। पूर्वाग्रह का विकास बालकों से तीसरे-चौथे वर्ष से आरम्भ हो जाता है। एक बालक में वही पूर्वाग्रह विकसित होते है जो पूर्वाग्रह उसके परिवार के सदस्यों एवं निकटस्थ बन्धुओं में पाया जाता है। गुडमैन ने अपने अध्ययनों के आधार पर बताया कि बालक में शिक्षा और अनुभव के आधार पर दूसरी जाति के लोगों और दूसरे राष्ट्रों के प्रति मित्रता या शत्रुता की भावना विकसित होती है। सभी मनोवैज्ञानिकों ने द्वारा पूर्वाग्रह को ~~अर्जित~~ अर्जित प्रक्रिया के रूप

में स्वीकार किया जाता है और यह माना जाता है कि बालक जैसे-जैसे दूसरे लोगों के सम्पर्क में आता है उस बालक में पूर्वाग्रह उसके अर्जित अनुभवों के आधार पर निर्मित और विकसित होते हैं।

2. पूर्वाग्रह अतार्किक होते हैं (Prejudice are Irrational):

पूर्वाग्रह तथ्यों एवं तर्कों पर आधारित न होकर अतार्किक और विवेकहीन (Irrational) होते हैं। यही वजह है कि पूर्वाग्रह से सम्बन्धित सत्य तथ्य को जब व्यक्ति के सामने उपस्थित किया जाता है तो व्यक्ति उन तथ्यों को मानने से इनकार करता है। पूर्वाग्रह अर्जित अवश्य होते हैं लेकिन इनको सीखते समय व्यक्ति वास्तविकता को स्वीकार नहीं करता है। वह धर्म एवं जातिवाद आदि की सच्चाई को जाने बगैर सीखता है और दूसरे व्यक्ति के व्यवहार का अनुकरण करके पूर्वाग्रह को अर्जित करता है।

3. पूर्वाग्रह संवेगात्मक रंगों में रंगा होता है - (Prejudice are Emotionally toned):

पूर्वाग्रह भावनात्मक

अभिव्यक्ति से सम्बन्धित होती है तो व्यक्ति दूसरे लोग, दूसरे समूह, दूसरी जाति और धर्म के लोगों के प्रति स्नेह और मित्र सम्बन्धी भावात्मक व्यवहार प्रदर्शित करता है। इसी तरह जब पूर्वाग्रह अभावात्मक अभिवृत्ति से सम्बन्धित होता है तो व्यक्ति, दूसरे लोगों, दूसरी जाति और दूसरे समूहों और दूसरे लोगों के प्रति घृणा और विरोध आदि से सम्बन्धित व्यवहार की अभिव्यक्ति करता है। जब पूर्वाग्रह की तीव्रता अधिक होती है तो पूर्वाग्रह से सम्बन्धित संवेगात्मक अभिव्यक्ति स्पष्ट दिखायी देती है लेकिन जब पूर्वाग्रह की तीव्रता कम होती है तो संवेगों की अभिव्यक्ति दिखायी नहीं देती है लेकिन व्यक्ति में विचारात्मक स्तर पर विद्यमान होती है।

4. पूर्वाग्रह सन्तोष प्रदान करता है- (Prejudice are Satisfying) :-

पूर्वाग्रह सामाजिक रूप से हानिकारक होते हुए भी एक समूह के लोगों में विद्यमान रहते हैं। इनके विद्यमान रहने का मुख्य कारण यह है कि इससे व्यक्ति को संतोष मिलता है। इसलिए यह हानिकारक होते हुए भी समाज के लोगों में विद्यमान

रहते हैं। इन्ही पूर्वाग्रह के कारण लोग आपस में कटुता की भावना मन में पाले हुए रहते हैं और सन्तोष प्राप्त करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि पूर्वाग्रह के कारण शत्रुता और हिंसा की भावना मन में पनपने लगता है और हिंसा के पश्चाताप के स्थान पर लोग हिंसा सन्तोष का अनुभव करते हैं।

5 पूर्वाग्रह दोषपूर्ण दृढ़ सामान्यीकरण पर आधारित है। (Prejudice are based on faulty and inflexible generalization):- पूर्वाग्रह के विकास में बुद्धि और तर्क का विशेष स्थान नहीं होता है क्योंकि समाज के अपने परिवार-जनों और निकट सम्बन्धियों से अनुकरण के आधार पर सीखता है। वह एक उप व्यक्ति के व्यवहार को विशेष अंश को सामान्य मानता है कि अमुक व्यक्ति व्यवहार के उस अंश को अपने में संजोये रखता है यही कारण है कि व्यक्ति अपने पूर्वाग्रह को न तो परिवर्तित करता है और न ही परिवर्तन करने को तैयार होता है।

6. पूर्वाग्रह का स्वरूप कार्यात्मक होता है - Prejudice are

Page No 06

Functional in Nature) –

कच्च, क्रचफील्ड और बैलेची के अनुसार पूर्वाग्रहों का स्वरूप कार्यात्मक होता है और पूर्वाग्रह केवल मानसिक स्तर पर ही व्यक्ति में नहीं पाया जाता है बल्कि पूर्वाग्रह व्यक्ति में व्यवहारिक स्तर पर भी पाया जाता है। इन्हीं पूर्वाग्रहों के कारण व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों, समूहों और धर्मों के लोगों के प्रति व्यवहार करता है। जब उसका व्यवहार विद्वेषपूर्ण और दुर्भावपूर्ण होता है तब इस अवस्था में पूर्वाग्रह की कार्यात्मक प्रकार अधिक घातक होती है इस प्रकार के व्यवहार के कारण व्यक्ति संघर्षपूर्ण और तनावपूर्ण व्यवहार भी कर सकता है।

7. पूर्वाग्रह चेतन और अचेतन होते हैं (Prejudice are Concious and Unconcious) – पूर्वाग्रह चेतन स्तर पर और अचेतन स्तर भी व्यक्तियों में पाया जाता है अधिकांशतः अधिकांशतः पूर्वाग्रह चेतन स्तर पर व्यक्तियों में पाया जाता है जब पूर्वाग्रह व्यक्ति में चेतन स्तर पर पाया जाता है तो व्यक्ति को पूर्वाग्रह की पूरी-पूरी जानकारी होती है कि उसमें क्या, कितना और किस रूप में पूर्वाग्रह है व्यक्ति पूर्वाग्रहों से

सम्बन्धित व्यवहार को जान-बूझकर कर सकता है जब पूर्वाग्रह व्यक्ति में अचेतन स्तर पर होते हैं तब व्यक्ति को अपने पूर्वाग्रहों के सम्बन्ध में कोई चेतना या जानकारी नहीं होती है।

(2) पूर्वाग्रहों की अन्य विशेषताएँ —

(i) पूर्वाग्रह तर्कहीन या अपरीक्षित पक्षपातपूर्ण निर्णय है।

(ii) पूर्वाग्रह, प्रतिकूल और अनुकूल दोनों ही प्रकार के हो सकते हैं।

(iii) पूर्वाग्रह किसी व्यक्ति, समूह या वस्तु, कार्य, सिद्धांत या घटना आदि के प्रति हो सकते हैं।

(iv) पूर्वाग्रह के तीन अवयव होते हैं - (क) संज्ञानात्मक अवयव (ख) भावात्मक अवयव और (ग) व्यवहारात्मक अवयव।

(v) संज्ञानात्मक अवयवों के रूप में पूर्वाग्रहों की अभिव्यक्ति रूढ़ियुक्तियों के रूप में होती है।

(vi) व्यवहारात्मक अवयव के रूप में पूर्वाग्रहों के कारण व्यक्ति में विभेद एवं आक्रामक पूर्ण व्यवहार उत्पन्न होते हैं।

16/05/20

Dr. S.K. Suman
Asst. Prof.
Dept. of Psychology
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner